भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2152

01 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत आयुष प्राणाली को बढ़ावा देना

2152. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कर्नाटक में हाल ही में 'केन्द्रीय क्षेत्र योजना' के अंतर्गत आयुष चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष पहल की है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है साथ ही योजना के उद्देश्य क्या हैं और योजना के अंतर्गत क्या प्रमुख पहल की गई हैं;

(ग) क्या सरकार का विदेशों में आयुष पीठ स्थापित करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, साथ ही इसके क्या लाभ हैं और कार्यान्वयन की प्रक्रिया क्या है;

(घ) क्या सरकार ने केन्द्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत विशेषज्ञों और सूचनाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए कोई साझेदारी की है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): जी नहीं, आयुष मंत्रालय ने हाल ही में कर्नाटक में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए 'केंद्रीय क्षेत्रीय योजना' के अंतर्गत कोई विशेष पहल नहीं की है। हालाँकि, स्वास्थ्य सेवा की आयुष पद्धति के प्रचार-प्रसार के अधिदेश को पूरा करने के उद्देश्य से, आयुष मंत्रालय निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ आयुष में सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) को बढ़ावा देना नामक एक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना कार्यान्वित कर रहा है:

• भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम 1961 में मंत्रालय को सौंपे गए स्वास्थ्य देखभाल की "आयुष" पद्धतियों के प्रचार-प्रसार के अधिदेश को पूरा करने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार के क्षेत्रों में गतिविधियों को आगे बढ़ाना। आयुष पद्धतियों की प्रभावकारिता, उनकी लागत प्रभावशीलता और आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी औषधियों और सेवाओं तथा अन्य समाधानों की उपलब्धता के संबंध में नागरिकों के बीच जागरूकता उत्पन्न करना।

• इस उद्देश्य के लिए विभिन्न संचार संबंधी चैनलों का उपयोग करना, तथा सभी के लिए स्वास्थ्य के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए डिजिटल और ऑडियो-वीडियो प्रचार सामग्री सहित आईईसी सामग्री तैयार करना;

• राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर मेलों, प्रदर्शनियों, सेमिनारो, कार्यशालाओं, सिम्पोसियम और शैक्षिक मंचों के माध्यम से आयुष पद्धतियों में किए गए अनुसंधान और विकास कार्यों के सिद्ध परिणामों की जानकारी का प्रसार करना। महत्वपूर्ण दिवसों के आयोजन की योजना बनाना और उनका आयोजन करना।

• राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल कार्यक्रमों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों और फेयर/मेलों के माध्यम से आयुष पद्धतियों के हितधारकों के बीच समग्र चर्चा के लिए सूचना और संचार मंच प्रदान करना तथा हितधारकों को उनमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना। हालाँकि, आयुष मंत्रालय किसी निजी एजेंसी द्वारा आयोजित किसी भी कार्यक्रम का सह-प्रायोजक नहीं होगा और प्रस्ताव की विस्तृत जाँच किए बिना "लोगो" संबंधी समर्थन प्रदान नहीं करेगा; और

• आयुष पद्धतियों के प्रचार-प्रसार के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करना, जैसे कि आयुष पद्धतियों पर सेमिनार, सम्मेलन, संगोष्ठी और कार्यशालाएं (डिजिटल मोड में भी) तथा आयुष क्षेत्र में हाल के विकास से संबंधित जानकारी शेयरधारकों को प्रदान करना।

इस योजना के अंतर्गत, मंत्रालय राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर आरोग्य मेले, आयुर्वेद पर्व, योग फेस्ट/उत्सव आयोजित करता है, स्वास्थ्य फेयर/मेलों/प्रदर्शनियों में भाग लेता है, आयुष पद्धति के महत्वपूर्ण दिवस मनाता है, संगोष्ठियों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करता है और स्वास्थ्य सेवा की आयुष पद्धति के संबंध में नागरिकों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए मल्टीमीडिया अभियान आदि चलाता है। मंत्रालय ने हाल ही में कर्नाटक राज्य में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए हैं:-

i. दिनांक 27 से 31 जुलाई, 2022 तक राष्ट्रीय स्तर का आरोग्य मेला
ii. दिनांक 21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन
iii. दिनांक 10 से 11 फरवरी, 2023 तक यूनानी दिवस का आयोजन
iv. दिनांक 11 से 12 फरवरी, 2025 तक यूनानी दिवस का आयोजन

आयुष मंत्रालय वित्त वर्ष 2021-22 से आयुर्वेद स्वास्थ्य योजना नामक एक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना का भी कार्यान्वयन कर रहा है। इस योजना के दो घटक हैं: (i) आयुष और जन स्वास्थ्य (ii) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)। आयुष और जन स्वास्थ्य घटक (पीएचआई) का प्राथमिक उद्देश्य निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ प्रामाणिक पारंपरिक आयुष उपचारों का कार्यान्वयन करना है: -

- सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए आयुष उपचारों को बढ़ावा देना।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य में आयुष स्वास्थ्य देखभाल के लाभों को प्रदर्शित करना।
- आयुष पद्धति को एकीकृत करके सतत विकास लक्ष्य-2 (एसडीजी2) और सतत विकास लक्ष्य-3 (एसडीजी3) के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करना।
- विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों में आयुष उपचारों के माध्यम से आयुष पद्धतियों की प्रभावकारिता का दस्तावेजीकरण, जिन्हें राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कार्यान्वयन के लिए बड़े पैमाने पर अपनाया जा सकता है।

(ग): आयुष पीठ कार्यक्रम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों (आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) के वैश्विक स्तर पर संवर्धन और सुदृढ़ीकरण के लिए एक पहल है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, आयुष पद्धतियों के संबंध में शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में आयुष पीठ स्थापित की जाती हैं। वर्तमान में आयुष मंत्रालय और विश्व भर के विभिन्न देशों के बीच 15 आयुष पीठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। विदेशों में आयुष पीठ स्थापित करने के मुख्य लाभ निम्नलिखित हैं: -

i. विदेशों में आयुष पद्धतियों की स्वीकृति और मान्यता के लिए एक मंच का निर्माण।
ii. विदेशों में प्रामाणिक और विश्वसनीय आयुष शिक्षा का प्रचार-प्रसार।
iii. सहयोगात्मक अनुसंधान पहलों को प्रोत्साहित करना।

iv. विदेशों में आयुष पद्धतियों, आयुष शिक्षा और आयुष उत्पादों की मान्यता का मार्ग प्रशस्त करना।

विदेश में आयुष पीठ का कार्यान्वयन: - आयुष पीठ की स्थापना आयुष पीठ दिशानिर्देशों में उल्लिखित शर्तों के अनुसार होगी। इसकी स्थापना मेजबान देश द्वारा निर्धारित किसी संस्थान या विश्वविद्यालय में प्रारंभ में एक वर्ष के लिए की जाएगी, जिसे तीन वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। प्रतिनियुक्त किए जाने वाले भारतीय संकाय का अंतिम चयन विदेशी विश्वविद्यालय या संस्थान के साथ पारस्परिक परामर्श से किया जाएगा।

(घ): आयुष मंत्रालय ने आयुष के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने हेतु केंद्रीय क्षेत्रीय योजना विकसित की है। इस योजना के अंतर्गत मंत्रालय आयुष उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारतीय आयुष औषधि निर्माताओं/आयुष सेवा प्रदाताओं को सहायता प्रदान करता है; आयुष चिकित्सा पद्धतियों के अंतर्राष्ट्रीय प्रचार, विकास और मान्यता को सुगम बनाता है; हितधारकों के बीच संपर्क को बढ़ावा देता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष बाजार के विकास को बढ़ावा देता है; विदेशों में आयुष अकादमिक पीठों की स्थापना के माध्यम से शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष चिकित्सा पद्धतियों के संबंध में जागरूकता और अभिरुचि को बढ़ावा देने और इसे सुदृढ़ करने तथा विशेषज्ञों के आदान-प्रदान के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला/संगोष्ठी आयोजित करता है। वर्तमान में, दिनांक 04 अक्टूबर, 2022 से एक अधिकारी को योग और पारंपरिक चिकित्सा केंद्र, अश्गाबात, तुर्कमेनिस्तान में आयुर्वेद विशेषज्ञ के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है।

*****